दैनिक जागरण, दिनांक -18-11-14

कौशल उन्नयन योजना शुरू

'जीविका' के तहत 1.08 लाख युवा होंगे लाभान्वित, 41 संस्थाओं की मदद से खुलेंगे प्रशिक्षण केंद्र

राज्य ब्यूरो, पटना : मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने सोमवार को 'जीविका' के तहत 1.08 लाख युवाओं के कौशल उन्नयन की योजना का शुभारंभ किया। इसके लिए देश की 41 प्रतिष्ठित संस्थाओं की मदद से हर जिले में प्रशिक्षण केंद्र खोले गए हैं। ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि फिलहाल सूबे में 65 ट्रेड में ट्रेनिंग दी जा रही है, जबकि देश में 1600 विभिन्न ट्रेड में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मांझी ने अपने संबोधन में युवाओं की परेशानियां और बिचौलियों द्वारा उनके शोषण की चर्चा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में प्रखंड स्तर पर खोले जाएं। साथ ही युवाओं के चयन के लिए विकास मित्रों की सहायता ली जाए। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव एसएम राजू ने विकास मित्रों को चयन प्रक्रिया में शामिल करने की कार्यक्रम में ही घोषणा कर दी। पूर्व में ऐसे ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सिलाई की ट्रेनिंग पाकर अभी राजस्थान में नौकरी कर रहीं गया की कुछ युवतियों ने अपने अनुभव सुनाए। बताया कि कैसे उन्हें 6,000 रुपये तनख्वाह के अलावा ओवर टाइम, बैंक एटीएम, आधार कार्ड, ईएसआइ कार्ड आदि उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने समाज में बिचौलियों के हावी रहने की बात पर जोर देते हुए कहा कि मुझे संदेह है कि इन युवतियों से अधिक काम लिया जा रहा होगा और उसके एवज में कम पैसे दिए जा रहे हैं। अगर कुछ पैसे लेकर अपनी सिलाई की मशीन खरीद लें तो राजस्थान से अधिक यहां घर पर कमा सकती हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि उनके आसपास बहुत सारे छोटे-छोटे काम उपलब्ध हैं। नीतीश मिश्रा ने कहा कि योजना के लिए 75 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। साथ ही 75 फीसद का नियोजन सुनिश्चित कराएगी। हमारा प्रयास होगा कि बाकी को रोजगार उपलब्ध कराएं। कार्यक्रम को 'जीविका' की मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. एन.विजयलक्ष्मी, नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन के जयकांत सिंह के अलावा कई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

75% का नियोजन सुनिश्चित, शेष को भी रोजगार

योजना बीपीएल परिवार से जुड़े वैसे ग्रामीण युवाओं के लिए है जिन्होंने कम से कम 45 दिन मनरेगा के तहत काम किया हो। एससी-एसटी के लिए 50 प्रतिशत, महिलाओं के लिए 33, अल्पसंख्यकों के लिए 15 और विकलांगों के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण रखा गया है।

योजना का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी व अन्य जागरण